पंजाब केसरी 26-12-2025

गीता पर डिप्लोमा, स्नातक एवं स्नातकोत्तर कोर्स शुरू करने की योजना : स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज

अध्ययन करते मन में उभरे प्रश्न, लिया संन्यास का निर्णय

गीता मनीषी ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 1975-76 के दौरान जब वह बी.ए. फाइनल में थे तो उनके मन में कुछ प्रश्न उभरे कि जीवन क्या है, जीवन का लक्ष्य क्या है और विशेष रूप से यह कि स्थायी शांति कहां है, तभी अम्बाला में उन्हें भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति को समर्पित संत स्वामी गीतानंद (बीरजी) महाराज का सानिध्य मिला और उनसे गीता पढ़ने की प्रेरणा मिली।

इसी दौरान उन्होंने संन्यास धारण कर गीता संदेश के प्रचार-प्रसार के प्रति समर्पित होने का निर्णय ले लिया था और वर्ष 1978 में जैसे ही उन्होंने गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज, अम्बाला छावनी से एम.ए. (राजनीति शास्त्र) की उपाधि प्राप्त की, तभी औपचारिक तौर पर संन्यास धारण कर लिया।